

कक्षा : सातवीं : गतिविधि

परिचय

पूरक पाठ्यपुस्तक	बाल महाभारत कथा
पाठ	चौसर का खेल व द्रौपदी की व्यथा
शीर्षक	भाषण
समय	दो कालांश
प्रकार	व्यक्तिगत
विद्यार्थी संख्या	एक
कौशल	आत्मविश्वास ,लेखन एवं वाचन कौशल, देशप्रेम
आवश्यक सामग्री	रंगीन कागज़, कलम एवं कार्यपत्र

चरण:-1.शैक्षिक अधिगम:-

- * विद्यार्थी सहजता से अपनी तर्कपूर्ण बात को किसी के समक्ष रखने की कला को सीख सकेंगे ।
- * विद्यार्थियों में आत्मविश्वास का संचार हो सकेगा ।
- * विद्यार्थियों के देशप्रेम, संवेदनशीलता और वाक्पटुता के स्तर में वृद्धि हो सकेगी ।

2.अध्यापिका गतिविधि :-

- *अध्यापिका द्वारा कक्षा के सभी विद्यार्थियों को पाठ पढ़कर आने के लिए कहा जाएगा ।
- *तत्पश्चात् पठित विषय के आधार पर अध्यापिका विद्यार्थियों के समक्ष निम्नलिखित विषय रखेंगी
“मनोरंजक खेलों में अनैतिकता (सट्टेबाजी) का प्रवेश उचित या अनुचित”
- *प्राचीन और वर्तमान परिस्थितियों में विषय की प्रासंगिकता पर चिंतन-मनन कर एक भाषण तैयार के लिए कहा जाएगा ।
- *उसके सभी पहलुओं पर रोशनी डालते हुए सामूहिक चर्चा के रूप में अपना भाषण तैयार करेंगी ।
- *सम्यक् तैयारी के पश्चात् उसे कक्षा में प्रस्तुत करने के लिए कहा जाएगा ।
- *अध्यापिका निर्धारित प्रारूप के आधार पर मौखिक भाषण का मूल्यांकन करेंगी ।
- *अंत में अध्यापिका कार्यपत्र करने के लिए देंगी ।

3. विद्यार्थी -गतिविधि:-

- *सभी विद्यार्थी अध्यापिका द्वारा प्रदत्त विषय पर तत्कालीन और वर्तमान परिस्थितियों में विषय की प्रासंगिकता पर चिंतन-मनन भाषण तैयार करेंगे ।
- *सम्यक् तैयारी के पश्चात् विषय के सभी पहलुओं पर रोशनी डालते हुए उसे कक्षा में प्रस्तुत करेंगे ।
- *सभी विद्यार्थी कार्यपत्र पूरा करेंगे ।

4.मूल्यांकन के मानदंड:-

क्रम संख्या	मूल्यांकन के क्षेत्र	अंक-10
1	विषय की प्रस्तुति	3
2	प्रभावोत्पादकता	3
3	भाषा का स्तर एवं शुद्धता	2
4	कार्य की पूर्णता	1
5	समयबद्धता	1

कार्यपत्र

पाठ: चौसर का खेल व द्रौपदी की व्यथा

गतिविधि : भाषण (प्रस्तुति)

विद्यार्थी का नाम:

अनुक्रमांक:

प्रश्न.1.गतिविधि से पूर्व भाषण प्रस्तुत करने में बाधाएँ बनीं जो मानसिक दुविधाएँ :-

प्रश्न.2.भाषण की गतिविधि करते हुए अनुभव किया:-

प्रश्न.3.इस गतिविधि से सीखा :

प्रश्न.4.गतिविधि के बाद सोच में अंतर एवं भविष्य की योजनाएँ:
